ऑस्ट्रिया के किसान दल ने किया खजूर अनुसंधान परियोजना का भ्रमण



कामयाब कलम रिपोर्टर।

बीकानेर। ऑस्ट्रिया से आए सात सदस्यीय प्रगतिशील किसानों के दल ने मंगलवार को स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय में संचालित अखिल भारतीय शुष्क क्षेत्रीय फल समन्वित अनुसंधान परियोजना का भ्रमण किया। इन किसानों को खजूर की खेती पर किए गए अनुसंधान, परिणाम, जलवायु परिस्थितियां, उत्पादकता व गुणवत्ता सहित विभिन्न विषयों पर विस्तार से जानकारी दी गई। परियोजना प्रभारी डॉ. राजेंद्र सिंह राठौड़ ने बताया कि पश्चिमी राजस्थान में खजूर अनुसंधान की दिशा में विश्वविद्यालय द्वारा सफल प्रयोग किया गया। पश्चिमी राजस्थान की विषम जलवायुवीय परिस्थितियों और भूमिगत क्षारीय पानी की समस्या के बीच किसानों की आर्थिक मजबूती की दिशा में यह अनुसंधान सफल रहा है। डॉ. राठौड़ ने विदेशी प्रतिनिधियों को खजूर की उन्नत किस्मों, उत्पादन तकनीक, परागण तकनीक, कीट व रोग प्रबंधन आदि विषयों पर विस्तार से जानकारी दी। ऑस्ट्रिया से आए किसानों ने खजूर की विभिन्न किस्मों को करीब से देखा तथा उनकी उत्पादन परिस्थितियों व सुरक्षा प्रबंधन से जुड़े प्रश्न किए, जिनका विश्वविद्यालय के विषय विशेषज्ञों के द्वारा प्रत्युत्तर दिया गया। दल ने विश्वविद्यालय के खजूर बाग का भ्रमण कर वहां लगाई गई विभिन्न किस्मों के पौधों, फलों की गुणवत्ता और उत्पादन क्षमता को देखा। विदेशी किसानों ने शुष्क क्षेत्र में खजूर की सफल खेती पर खुशी जताई और विश्वविद्यालय के प्रयासों की सराहना की।

अखिल भारतीय समन्वित बीज अनुसंधान परियोजना के तहत अनुसूचित जाति के 161 किसानों को किया गया बीज वितरित



उन्नत किस्मों को बढ़ावा देने के लिए किया गया वितरण

बीकानेर, स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय में संचालित अखिल भारतीय समन्वित बीज अनुसंधान परियोजना के तहत अनुसूचित जाति के 161 किसानों को चने की उन्नत किस्मों के बीज वितरित किए गए हैं। अनुसंधान निदेशक डॉ एन के शर्मा ने बताया कि परियोजना के तहत अनुसूचित जाति उप योजना रबी 2026-27 के अन्तर्गत किसानों को चने की उन्नत किस्मों से परिचित करवाने के उद्देश्य से यह बीज वितरण किया गया। साथ ही ट्राइकोडर्मा का भी वितरण किया गया। विश्वविद्यालय द्वारा इस परियोजना के तहत 8 लाख रुपए के बीज वितरित किए जाने हैं। उन्होंने बताया कि डेली तलाई में शिविर आयोजित कर अनुसूचित जाति के 55 , पदमपुर केवीके में 35 किसानों को बीज दिए गए। इसी प्रकार बदरासर तथा हुंसगसर के अनुसूचित जाति के 71 किसानों को विश्वविद्यालय स्थित बीज परियोजना केंद्र में इन बीजों का वितरण किया गया। परियोजना प्रभारी जे के तिवारी ने बताया कि परियोजना के तहत बीज वितरण कार्यक्रम सतत रूप से संचालित किया जा रहा है। कार्यक्रम में किसानों को इन बीजों से जुड़ी तकनीकी बारिकियों से अवगत करवाते हुए अन्य प्रशिक्षण दिए जा रहे हैं।

कृषि विश्वविद्यालय ने 161 किसानों को वितरित किये चने के उन्नत बीज



कामयाब कलम रिपोर्टर।

बीकानेर। स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय में संचालित अखिल भारतीय समन्वित बीज अनुसंधान परियोजना के तहत अनुसूचित जाति के 161 किसानों को चने की उन्नत किस्मों के बीज वितरित किए गए हैं।अनुसंधान निदेशक डॉ. एनके शर्मा ने बताया कि परियोजना के तहत अनुसूचित जाति उप योजना रबी 2026-27 के अंतर्गत किसानों को चने की उन्नत किस्मों से परिचित करवाने के उद्देश्य से यह बीज वितरण किया गया। साथ ही ट्राइकोडर्मा का भी वितरण किया गया। विश्वविद्यालय द्वारा इस परियोजना के तहत 8 लाख रुपए के बीज वितरित किए जाने हैं। उन्होंने बताया कि डेली तलाई में शिविर आयोजित कर अनुसूचित जाति के 55, पदमपुर केवीके में 35 किसानों को बीज दिए गए। इसी प्रकार बदरासर तथा हुसंगसर के अनुसूचित जाति के 71 किसानों को विश्वविद्यालय स्थित बीज परियोजना केंद्र में इन बीजों का वितरण किया गया।परियोजना प्रभारी जेके तिवारी ने बताया कि परियोजना के तहत बीज वितरण कार्यक्रम सतत रूप से संचालित किया जा रहा है। कार्यक्रम में किसानों को इन बीजों से जुड़ी तकनीकी बारीकियों से अवगत करवाते हुए अन्य प्रशिक्षण दिए जा रहे हैं।



ऑस्ट्रिया से आए किसानों ने एसकेआरएयू खजूर अनुसंधान केन्द्र का किया भ्रमण

अनुसंधान गतिविधियों का लिया जायजा, तकनीकी बारिकियों से हुए रुबरु

बीकानेर, (निसं)। ऑस्ट्रिया से आए 07 सदस्यीय प्रगतिशील किसानो के दल ने मंगलवार को स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय में संचालित अखिल भारतीय शुष्क क्षेत्रीय फल समन्वित अनुसंधान परियोजना (खजूर फल) का भ्रमण किया। इन किसानों को खजूर की खेती पर किए गए अनुसंधान, परिणाम, जलवायु परिस्थितियां, उत्पादकता व गुणवत्ता सहित विभिन्न विषयों पर विस्तार से जानकारी दी गई। परियोजना प्रभारी डॉ राजेंद्र सिंह राठौड़ ने बताया कि पश्चिमी राजस्थान में खजूर अनुसंधान की दिशा में विश्वविद्यालय द्वारा सफल प्रयोग किया गया। पश्चिमी राजस्थान की विषम जलवायुवीय परिस्थितियों और भूमिगत क्षारीय पानी की समस्या के बीच किसानों की आर्थिक मजबूती की दिशा में यह अनुसंधान सफल रहा है। डॉ राठौड़ ने विदेशी प्रतिनिधियों को खजूर की उन्नत किस्मों, उत्पादन तकनीक, परागण तकनीक, कीट व रोग प्रबंधन आदि विषयों पर विस्तार से जानकारी दी। ऑस्ट्रिया से आए किसानों ने खजूर की विभिन्न किस्मों को करीब से देखा तथा उनकी उत्पादन परिस्थितियों व सुरक्षा प्रबंधन से जुड़े प्रश्न किए, जिनका विश्वविद्यालय के विषय विशेषज्ञों के द्वारा प्रत्युत्तर दिया गया।

ऑस्ट्रिया से आए किसानों ने एसकेआरएयू खजूर अनुसंधान केन्द्र का किया भ्रमण

एजेंसी



बीकानेर। ऑस्ट्रिया से आए 07 सदस्यीय प्रगतिशील किसानो के दल ने शुक्रवार को स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय में संचालित अखिल भारतीय शुष्क क्षेत्रीय फल समन्वित अनुसंधान परियोजना (खजूर फल) का भ्रमण किया।

इन किसानों को खजूर की खेती पर किए गए अनुसंधान, परिणाम , जलवायु परिस्थितियां, उत्पादकता व गुणवत्ता सहित विभिन्न विषयों पर विस्तार से जानकारी दी गई। परियोजना प्रभारी डॉ राजेंद्र सिंह राठौड़ ने बताया कि पश्चिमी राजस्थान में खजूर अनुसंधान की दिशा में विश्वविद्यालय द्वारा सफल प्रयोग किया गया। पश्चिमी राजस्थान की विषम जलवायुवीय परिस्थितियों और भूमिगत क्षारीय पानी की समस्या के बीच किसानों की आर्थिक मजबूती की दिशा में यह अनुसंधान सफल रहा है। डॉ राठौड़ ने विदेशी प्रतिनिधियों को खजूर की उन्नत किस्मों,उत्पादन तकनीक, परागण तकनीक, कीट व रोग प्रबंधन आदि विषयों पर विस्तार से जानकारी दी। ऑस्ट्रिया से आए किसानों ने खजूर की विभिन्न किस्मों को करीब से देखा तथा उनकी उत्पादन परिस्थितियों व सुरक्षा प्रबंधन से जुड़े प्रश्न किए, जिनका विश्वविद्यालय के विषय विशेषज्ञों के द्वारा प्रत्युत्तर दिया गया।

इन किसानों को खजूर की खेती पर किए गए अनुसंधान, परिणाम , जलवायु परिस्थितियां, उत्पादकता व गुणवत्ता सहित विभिन्न विषयों पर विस्तार से जानकारी दी गई।

पश्चिमी क्षेत्रीय अंतर विश्वविद्यालय खेल प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए एसकेआरएयू की टीम रवाना



बीकानेर। स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय की कबड्डी टीम पश्चिमी क्षेत्रीय अंतर विश्वविद्यालय खेल प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए बुधवार को सागर रवाना हुई। खेल सचिव डॉ अरविन्द कुमार झाझडिया ने बताया कि मध्य प्रदेश के सागर में यह प्रतियोगिता 13 से 18 नवंबर तक आयोजित की जाएगी, इसमें भी स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय की कबड्डी की12 सदस्य टीम भाग लेगी। टीम मैनेजर राहुल मीणा दल के साथ होंगे।

प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए रवाना

बीकानेर @ पत्रिका. स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय की कबड्डी टीम पश्चिमी क्षेत्रीय अंतर विश्वविद्यालय खेल प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए बुधवार को रवाना हुई। खेल सचिव डॉ. अरविंद कुमार झाझडिया ने बताया कि मध्य प्रदेश के सागर में प्रतियोगिता 13 से 18 नवंबर तक होगी।